

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 642वीं बैठक दिनांक 04/05/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य।
7. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेन्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. **Case No 8869/2021 M/s Balaji Developers, Partner, Shri Sumit Mittal, Village - Kampel, Tehsil - Khudail, Dist. Indore (MP), MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4 ha. (ROM - 94736 Cum per annum, Stone - 90000 Cum per annum, Murrum as overburden - 4736 Cum per annum) (Khasra No. 2554, 2555, 2556, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566/1, 2566/2, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572), Village - Kampel, Tehsil - Khudail, Dist. Indore (MP).**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2554, 2555, 2556, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566/1, 2566/2, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572), Village - Kampel, Tehsil - Khudail, Dist. Indore (MP) 4.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 540वीं दिनांक 08/01/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुमित मित्तल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांस के आधार पर गूगल इमेज अनुसार आवंटित खदान क्षेत्र से दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक कच्चा रोड़ 24 मीटर की दूरी पर है

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

जिस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह एक कच्चा रोड है और जो आगे जाकर दक्षिण दिशा में समाप्त हो जाता है। इस खदान की जनसुनवाई के दौरान वृक्षारोपण, रोजगार, स्पीड ब्रेकर, गांव में शौचालय का निर्माण इत्यादि सुझाव/प्रस्ताव प्राप्त हुए थे जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि इनको ई.एम.पी./सीईआर में समुचित बजट के साथ शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज परिवहन के दौरान दिन में 02 बार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया कि वायु मापन के दौरान पी.एम. 10 की वेल्यू अधिक है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 90,000 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम – 4736 मी³ प्रति वर्ष ।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 36.77 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.27 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 03.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि(रु.में)
काम्पेल गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल उपकरण दिए जायेंगे।	1,80,000
ग्राम काम्पेल के पशु चिकित्सालय में आवश्यकता अनुसार उपकरण दिए जाएंगे	1,20,000
योग	3,00,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सु आदि।	1480
2.	परिवहन मार्ग (पौधों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	1120
3.	खदान से ग्राम काम्पेल तक जाने वाली कच्ची	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	500

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

	रोड के दोनों तरफ 500 मीटर की लम्बाई तक दो लाइन पौधे लगाए जायेंगे पौधों की उचाई 1 मीटर राखी जाएगी (प्रथम वर्ष)		
4.	ग्राम काम्पेल के शासकीय उच्च माध्यमिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विद्यालय में (प्रथम वर्ष)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, आम, जामुन कदम, चिरोल, आदि	500
5.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण (प्रथम वर्ष)	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	1200
योग			4800

2. प्रकरण क्रमांक 8916/2022 – मेसर्स पी.डी. स्टोन, श्री विशाल पहवानी, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर (म.प्र.) स्टोन क्वेरी, खसरा नं. 125/2/3, रकबा 2.00 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता 10,527 मी.³, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर के पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् ।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आललाईन प्राप्त यह प्रकरण पत्थर उत्खनन का है और प्रस्तावित स्थल खसरा नं. 125/2/3, रकबा 2.00 हेक्टेयर, ग्राम रंगवासा तहसील देपालपुर जिला इंदौर म.प्र. पर स्थित है ।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 549वीं दिनांक 15/02/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री विशाल पहवानी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जो कोर्डिनेट्स दिये गये हैं एवं माइनिंग प्लान में दिये गये कोर्डिनेट्स के आधार पर जो के.एम.एल. तैयार की गई है उसमें भिन्नता है, अतः समिति की अनुशंसा है कि परियोजना प्रस्तावक इस खदान के डीजीपीएस को-आर्डिनेट प्राप्त कर उनको संबंधित खनिज अधिकारी से प्रमाणीकृत कराकर समिति के समक्ष पुनः ऑन-लाईन (ए.डी.एस. के पश्चात्) प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण में आगामी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके ।

3. Case No 8868/2021 Shri Narayan Lal, Owner, 2 Balda Colony, Nai Patti, Dist. Indore, MP, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (ROM - 21054 Cum per annum, Stone - 20000 Cum per annum, Murrum as overburden - 1052 Cum per annum) (Khasra No. 62/1/2/1), Village - Rangwasa, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 62/1/2/1), Village - Rangwasa, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP) 4.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 540वीं दिनांक 08/01/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री नारायण लाल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सकसेना मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान क्षेत्र का पूर्वी-पश्चिमी एवं मध्य भाग खुदा हुआ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पुरानी खदान है एवं उन्हें यह खदान उसी स्थिति में प्राप्त हुई है तथा हमारे द्वारा खनन कार्य नहीं किया गया है पिट का उल्लेख माइनिंग प्लान एवं सर्फेस मैप में किया हुआ है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान के समीप स्थित हॉलेज रोड को डब्लू. बी. एम. रोड में रूपांतरित करेंगे जिसकी राशि ई.एम.पी. योजना में शामिल की गई है। इसके अतिरिक्त परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान के उत्तर दिशा में जो शेडनुमा संरचना दिख रही है वह बगल वाली खदान के ऑफिस है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान खदान क्षेत्र में 04 पेड है जिनमें से कोई भी पेड काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 55 के सरल क्रमांक-16 पर दर्ज है। इस खदान की जनसुनवाई के दौरान वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल छिड़काव, रोड़ का निर्माण, आंगनबाड़ी में बच्चों के कपड़े, खेल-कूद सामग्री की व्यवस्था, रास्ता बनाने संबंधी एवं ब्लास्टिंग की आवाज कम रखने संबंधी इत्यादि सुझाव/प्रस्ताव प्राप्त हुए थे जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि नियंत्रित ब्लास्टिंग की जावेगी एवं अन्य प्रस्तावों को ई.एम.पी./सीईआर में समुचित बजट के साथ शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर लगातार जल छिड़काव किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 20,000 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम ओवर वर्डन- 1052 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 26.01 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.59 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि(रु.में)
ग्राम रंगवासा के आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के लिए खेल के उपकरण की व्यवस्था	10,000
ग्राम रंगवासा में मजदूरों बच्चों के लिए जुटे, मोड़े और गणवेश का वितरण किया जाएगा	50,000
रंगवासा ग्राम के रोड की मरम्मत की जाएगी	1,00,000
योग	1,60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सु आदि।	145
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	340
3.	खनिज आवागमन निकास)रोड पर मीटर 500 की लम्बाई तक दो लाइनों में रोड के दोनों तरफ वृक्षारोपण किया जायेगा (ट्री गार्ड सहित)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	500

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

4.	नॉन माइनिंग ज़ोन 0.8 हेक्टेयर पर वृक्षारोपण किया जायेगा	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सु आदि।	100
5.	रंगवासाए रावड़, धुरेरी, सेजवानी, दोलताबाद गांवों के प्राथमिक शासकीय विद्यालय में (ट्री गार्ड सहित)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	2500
6.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	1215
योग			4800

4. Case No 9828/2023 Shri Shashank Chauhan, Owner, Niwasi Hanuman, Ganj, District-Katni (MP)-483501, Prior Environment Clearance for Dang Flag Stone (Farshi Pathhar) Quarry in an area of 2.00 ha. (2200 Cum per annum) (Khasra No. 1274 Part) Village-Dang, Tehsil-Rithi, District-Katni (MP)

This is case of Flag Stone. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1274 Part) Village-Dang, Tehsil-Rithi, District-Katni (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री शशांक चौहान और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज मे0. अमलतास इंवारी इंडस्ट्रीयल कंसलटेंट्स एल.एल.पी. गुरुग्राम(हरियाण) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 2763 दिनांक 05/12/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई 01 खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 03.80 हे0. है जो कि 05.00 हे. से कम होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार एक कच्चा रोड़ दक्षिण-पूर्व दिशा में 28 मीटर की दूरी पर है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रस्तावित खदान फ्लैग स्टोन का होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-69 के सरल क्रमांक-38 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता फ्लेग स्टोन – 2200 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.33 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.50 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
शासकीय प्राथमिक शाला डांग में 5 कुर्सिया की व्यवस्था	10,000
डांग के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	20,000
योग	30,000

1. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	नीम, खमेर, सिरस, चिरोल, करंज, बबूल, सिस्सू, जंगल जलेबी एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	150
2.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर)	खमेर, चिरोल, करंज, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	350
3.	गैर खनन क्षेत्र	खमेर, चिरोल, करंज, महुआ, सेजा, बीजा, अगेव एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	400
4.	ग्रामवासियों में वितरण हेतु (ग्राम पंचायत डांग) (ट्री गार्ड सहित)	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हर्षा, महुआ, कबीट, नींबू, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	800
5.	ग्राम पंचायत डांग के प्राथमिक शाला (ट्री गार्ड सहित)	कदम, नीम, खमेर, अशोक, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	300
योग			2000
Causality Replacement of trees will be done till lease period.			

5. Case No 9829/2023 M/s Gaur Road Tarcoat Pvt Ltd., R/o Plot No. 2283, Sharda Chowk, Nagpur Road, District-Jabalpur (MP)-481880, Prior Environment Clearance for Chougan Murrum & Crusher Stone in an area of 2.690 ha. (Murrum-26,044 & Stone-1,51,352 Cum per annum) (Khasra No. 279) Village-Chougan, Tehsil-Ghughari, District-Mandla (MP) (Temporary Permit).

This is case of Murrum & Crusher Stone. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 279) Village-Chougan, Tehsil-Ghughari, District-Mandla (MP) 2.690 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री कुलदीप सलुजा (ऑनलाईन) ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 585 दिनांक 21/02/2023 अनुसार एकल प्रमाण-पत्र अनुसार 500 मीटर में एक खदान श्री शैलेश साहू के नाम स्वीकृत होने का उल्लेख है, किन्तु रकबा का जिक्र नहीं है। उक्त संबंध में पुनरिक्षित एकल पत्र क्र० 645 दिनांक 03/05/2023 अनुसार एकल प्रमाण-पत्र खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिसका रकबा 1.22 हे० है। अतः 500 मीटर की परिधि में स्थित खदानों का कुल रकबा 03.960 हे० है जो कि 05.00 हे० से कम होता है, उक्त संबंधित पत्र प्रस्तुतीकरण में शामिल किया गया है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है जिसमें प्रश्नाधीन खदान के अंदर कुछ पेड़ लगे हैं एवं खदान के पूर्व से पश्चिम दिशा में एक कच्ची रोड़ खदान क्षेत्र से निकल रही है इस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक बताया कि यह खदान निजी भूमि पर आवंटित है एवं कोई आम रास्ता नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में कुछ छोटी झाड़ियां लगी हुई हैं पेड़ नहीं हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं- 18 के सरल क्रमांक- 116 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम - 26,044 एवं स्टोन - 1,51,352 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 18.83 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.86 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :- योग

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	रु. में)
चौगान प्राथमिक शाला में टॉयलेट निर्माण 02 (मोटर एवं पानी की व्यवस्था के साथ)	1,00,000
चौगान गाँव के पास आदिवासियों के पवित्र स्थान में समुदाय की सहमती से विकास कार्य	1,00,000
योग	20,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	पीपल, करंज, आचार, चिरोल, खमेर, सागौन, सीताफल एवं अन्य प्रजातियाँ	2000
2.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष)	चिरोल,सागौन, करंज, चिरोल एवं अन्य प्रजातियाँ	700
3.	गाँव में वितरण (प्रथम वर्ष)	आम, कटहल, सीताफल, निम्बू एवं अन्य प्रजातियाँ	900
योग			3600
Causality Replacement of trees will be done within 2 years maintenance of plants will be done till 1 ease Period.			

6. Case No 9830/2023 Shri Jeetendra Bundela, Lease Owner, Village-Itouri, District-Panna (MP)-488441, Prior Environment Clearance for Jaitupura Flagstone Mine in an area of 1.00 ha. (3,000 Cum per annum) (Khasra No. 45) Village-Jaitupura, Tehsil-Pawai, District-Panna (MP)

This is case of Flagstone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 45) Village-Jaitupura, Tehsil-Pawai, District-Panna (MP) 1.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री जितेन्द्र बुंदेला ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., नोयडा, (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1806 दिनांक 26/12/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है प्रश्नाधीन खदान पहाड़ी क्षेत्र पर है जिसमें कुछ पेड़ लगे हुये है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 09 पेड़ लगे है जिनमें से कोई भी पेड़ काटा जाना प्रस्तावित नहीं है, खदान क्षेत्र के अंदर से दक्षिण पूर्व दिशा से एक कच्चा रोड निकल रहा है, परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह रास्ता आम रास्ता नहीं है इस रास्ते का उपयोग परिवहन के रूप में किया जावेगा। आवेदित क्षेत्र वन सीमा से 11 मीटर की दूरी पर है। संभागायुक्त महोदय की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा बैठक दिनांक 14/09/22 के अनुसार वन सीमा से 20 मीटर की दूरी एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों से नियमानुसार दूरियाँ छोड़कर शेष बचे रकबा 1.00 हे. पर उत्खनिपट्टा स्वीकृति की सैद्धांतिक मंजूरी जारी की गई है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रस्तावित खदान फ्लैग स्टोन का होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिया कि चूकिं खसरा का कुल रकबा 20.0 हे. है अतः जिस खसरे में खनन कार्य प्रस्तावित है खनन के पश्चात 1.0 क्षेत्र में चारागाह का विकास उसी खसरे में करेंगे। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना ने पत्र क्रमांक 1806 दिनांक 26/12/2022 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त खदान स्वीकृति उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जावेगी।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता फ्लैग स्टोन – 3,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 12.22 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.34 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम सगरा के शासकीय प्राथमिक शाला में 1 प्रिंटर, 1 टेबल एवं 1 कुर्सी उपलब्ध करवाया जाइएगा।	50,000 /—

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	नीम, पीपल, बरगद, खमेर, चिरोल, इमली एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
2.	परिवहन मार्ग (पेडो की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	नीम, करंज, बरगद, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	100
3.	सगरा ग्रामवासियों में वितरण हेतु (प्रथम वर्ष)	इमली, आंवला, आम, मुनगा, कटहल, आम, अमरुद, बहेडा, जामुन, पीता, नींबू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	500
4.	शासकीय विद्यालय सगरा में (प्रथम वर्ष)	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, पुत्रनजीवा, गुलमोहर व स्थानीय प्रजातियाँ,	50
5.	माइन लीज व वन सीमा के बीच 20मीटर के बफर जोन में (प्रथम वर्ष)	कस्टार, सिस्सू, खमेर पाकड़, देसी बांस चिरोल, आंवला, नीम, बरगद, करंज इत्यादि।	50
योग			1200

7. Case No 9831/2023 Shri Sachin Malviya, Lessee, R/o Bokarata, Tehsil-Pati, District-Barwani (MP)-488441, Prior Environment Clearance for Budi Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (20,000 Cum per annum) (Khasra No. 216) Village-Budi, Tehsil-Pati, District-Barwani (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 216) Village-Budi, Tehsil-Pati, District-Barwani (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री सचिन मालवीय ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजरात) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1722 दिनांक 21/03/2023

अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान क्षेत्र दो भागों में है, खदान का पश्चिमी भाग खुदा हुआ है, जिसमें वर्ष 2021 के बाद की गूगल इमेज अनुसार खनन कार्य प्रारंभ किया जाना प्रतीत हो रहा है जिस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक बताया कि इस प्रकरण पर्यावरणीय स्वीकृति डिया से दिनांक 31/05/2016 को जारी हुई है एवं खनन का कार्य पूर्व में हुआ है डिया की ई.सी. शर्तों के अनुसार पौधारोपण होना चाहिए था, प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि पौधारोपण की शर्तों का पालन नहीं किया गया है। डिया से जारी हुई पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्त क्रमांक 11 में जिसमें सी.ई.आर. संबंधी कार्य किये जाने थे उनका भी पालन नहीं हुआ है अतएव समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया कि ई.सी. शर्तों के अनुसार पौधे लगाने चाहिए जिनका पालन प्रतिवेदन एवं सी.ई.आर. संबंधी किये गये कार्यों की दस्तावेज, व्यय, फोटोग्राफ संशोधित फार्म-1 सहित प्रस्तुत करें तब उनके प्रकरण पर विचार किया जायेगा।

8. Case No 9838/2023 M/s Laksh Mines and Minerals, Partner, Shri Mayank Agrawal, Ward No. 14, Gandhi Ward, Near Kanhaiya Hospital, Mai Nadi Barhi Road, District-Katni (MP)-483501 Prior Environment Clearance for Bhaganwara Dolomite Quarry in an area of 3.670 ha. (49,996 Tons per Annum (TPA) (Khasra No. 199/1, 199/2/2) Village-Bhaganwara, Tehsil-Badwara, District-Katni (MP)

This is case of Dolomite Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 199/1, 199/2/2) Village-Bhaganwara, Tehsil-Badwara, District-Katni (MP) 3.670 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री मयंक अग्रवाल और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजरात) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 2038 दिनांक 07/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 07.पेड़ लगे हैं जिनमें से 02 काटा जाना प्रस्तावित है तथा उसके एवज में 20 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेंगे। खदान के अंदर से उत्तर-पूर्व दिशा से दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक पर पगडंडी दिख रही है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह निजी भूमि है जो काफी समय से पड़ती होने कारण पगडंडी दिख रही है, जो पगडंडी आम रास्ता नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 66 के सरल क्रमांक-10 पर दर्ज

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता डोलोमाईट – 49,996 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 15.81 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.14 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम भगवाडा के शासकीय माध्यमिक शाला में 1 कंप्यूटर 1 प्रिंटर एवं 1 टेबल उपलब्ध करवाया जावेगा	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4440 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- महुआ, खमेर, पीपल, सिस्सू, बबूल, जंगल जलेबी, नीम, सीताफल, चिरोल आदि ।	940
2.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर) ट्री-गार्ड के साथ । (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- नीम, पीपल, करंज, बरगद, चिरोल, पुत्रंजीवा, सिस्सू आदि ।	340
3.	माध्यमिक शाला के परिसर में उपलब्ध क्षेत्र (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- नीम, पीपल, करंज, कदम, पुत्रंजीवा, मोलश्री, पाखर, खमेर आदि ।	50
4.	बड़वारा में स्थित शासकीय उत्कृष्ट शाला खेल मैदान (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- नीम, पीपल, करंज, कदम, पुत्रंजीवा, मोलश्री, पाखर, खमेर आदि ।	200
5.	ग्राम एवं समीप स्थित ग्राम के ग्रामीणों में पौधों का वितरण (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, निम्बू, कटहल, मुनगा आदि ।	2910
योग			4440

9. Case No 9839/2023 Shri Surendra Thakur, Owner, HIG-30, Deendayal Nagar, Makroniya, District-Sagar (MP)-470004, Prior Environment Clearance for Jajer Raiyatwari Flagstone Quarry in an area of 3.650 ha. (3600 Cum per annum) (Khasra No. 16, 22) Village- Jajer Raiyatwari, Tehsil-Banda, District-Sagar (MP)

This is case of Flagstone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 16, 22) Village- Jajer Raiyatwari, Tehsil-Banda, District-Sagar (MP) 3.650 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुरेन्द्र ठाकुर ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कोग्नीजेस रिसर्च इंडिया प्रा.लि, नोएडा (उ.प्र.)। उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 191 दिनांक 03/02/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान का क्षेत्र का कुछ भाग खुदा हुआ है। इस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि वर्ष 2008 से 2013 तक उत्खनन कार्य किया गया है, उसके बाद से खनन कार्य बंद है। खदान के दक्षिण दिशा में 20 मीटर पर एक नदी है, परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान से दक्षिण दिशा में 100 मीटर तक का एरिया नॉन माईनिंग छोड़ा गया है एवं इस क्षेत्र पौधारोपण का कार्य किया जायेगा। खदान में 02 पेड़ लगे हैं जिनको काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। खदान के दक्षिण पूर्व दिशा में कुछ शेड 40 मीटर, 50 मीटर एवं 87 मीटर पर है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि फ्लेग स्टोन होने के कारण खदान में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। एकल प्रमाण पत्र अनुसार वन मण्डलाधिकारी उत्तर वन मण्डल, सागर के प्रतिवेदन दिनांक 11/11/21 के अनुसार उत्खनन पट्टा क्षेत्र वन सीमा से 40 मीटर दूर पर है। आयुक्त महोदय सागर संभाग, सागर की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक दिनांक 04/02/22 को उत्खनन पट्टा स्वीकृति की अनुशंसा की गई है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 25 पेड़ लगे हैं जिनमें से 08 काटा जाना प्रस्तावित है तथा उसके एवज में 80 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेंगे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के पत्र क्रमांक 191 दिनांक 03/02/2023 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त खदान का नाम नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ लिया जावेगा।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता फ्लेग स्टोन – 3600 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 16.93 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 05.77 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.75 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम जाजेर रैयतवारी के प्राथमिक भाला में बच्चों के बैठने के लिये 15 टेबल और 15 कुर्सियों का वितरण किया जायेगा।	75,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	सागौन, नीम खमेर, सिस्सू एवं करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	3000
2.	परिवहन मार्ग (पेडों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष)	नीम, शीशम (सिस्सू), करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातीय। ट्री-गार्ड के साथ।	200
3.	ग्राम वासियों में वितरण हेतु (प्रथम वर्ष)	आंवला, आम, मुनगा, कटहल, इमली, अमरुद, पपीता, नींबू, हर्षा, बहेडा, जामुन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1200
योग			4400

10. Case No 9840/2023 Shri Rajesh Chauhan, Owner, Village-Fanda, Tehsil-Huzur, District-Bhopal (MP)-462030, Prior Environment Clearance for Amrod Murrum Mine in an area of 1.200 ha. (7,000 Cum per annum) (Khasra No. 310/1/1) Village-Amrod, Tehsil-Sehore, District-Sehore (MP)

This is case of Murrum Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 310/1/1) Village-Amrod, Tehsil-Sehore, District-Sehore (MP) 1.200 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजेश चौहान ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 885 दिनांक 03/03/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 4.90 हे. है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में 140 मीटर पर मौसमी नाला है तथा इसके संरक्षण हेतु गारलैंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक भी प्रस्तावित किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि मुरुम होने के कारण खदान में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 02 पेड़ लगे हैं जिनमें से कोई भी पेड़ काटा जाना प्रस्तावित नहीं है, खदान के उत्तर-पश्चिम दिशा में एक प्राकृतिक नाला है जिसके संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 50 मीटर का सेट बेक प्रस्तावित है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर ने पत्र क्रमांक 885 दिनांक 03/03/2023 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त खदान नवीन डी.एस.आर. में सम्मिलित कर ली जावेगी।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम – 7,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.74 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.52 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम पंचायत अमरोद के शासकीय विद्यालय में रंग रोगन पुताई एवं दो कमरों के दरवाजे और खिड़कियों की मरम्मत की व्यवस्था की जायेगी।	40,000 /—

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	शीशम, नीम, पीपल, खमेर, चिरोल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	500
2.	परिवहन मार्ग (पेडो की न्यूनतम ऊचाई 01 मीटर) ट्री-गार्ड के साथ। (प्रथम वर्ष)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	180
3.	ग्राम पंचायत अमरोद के ग्रामवासियों में वितरण हेतु (प्रथम वर्ष)	बेल, इमली, आंवला, कटहल, आम, अमरुद एवं अन्य फलदार स्थानीय प्रजातिया।	800
4.	ग्राम पंचायत अमरोद के शासकीय विद्यालय में (प्रथम वर्ष)	कदंब, अमलतास, पुत्रनजीवा, अशोक, नीम, गुलमोहर। योग	20
योग			1500

11. Case No 9841/2023 Shri Jayprakash Sharma, Owner, R/o Hiraniya Ward No. 09, Obedullaganj, District-Raisen (MP) Prior Environment Clearance for Agariya Stone Quarry in an area of 3.00 ha. (69,255 Cum per annum) (Khasra No. 191/2/1) Village-Agariya, Tehsil-Gauharganj, District-Raisen (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 191/2/1) Village-Agariya, Tehsil-Gauharganj, District-Raisen (MP) 3.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री जय प्रकाश शर्मा ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसर्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 109 दिनांक 16/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 05.00 हे. है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर-पश्चिम दिशा में 180 मीटर की दूरी पर 03 शेड है, उत्तर-पूर्वी दिशा में 102 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड़ है, तथा उत्तर-पश्चिम दिशा 400 मीटर पर कुछ मकान है। जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह शेड मुर्गी पालन के उपयोग में आते हैं एवं 20 मीटर का सेट बेक उत्तर-पश्चिम दिशा में प्रस्तावित किया गया जिसे प्रस्तुतीकरण दिया गया है। निजी भूमि पर आवंटित है। प्रश्नाधीन खदान खुदी हुई है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि तत्संबंध में विवरण अनुमोदित खनन योजना में दर्ज है तथा हमें यह खदान इसी स्थिति में प्राप्त हुई है एवं कोई खनन कार्य परियोजना प्रस्तावक द्वारा नहीं किया गया है। जिस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक बताया कि आवेदित क्षेत्र निकटतम वन सीमा से 60 मीटर की दूरी पर स्थित है। आयुक्त भोपाल संभाग भोपाल की अध्यक्षता में दिनांक 14/01/22 को समिति द्वारा निर्णय लिया कि उक्त उत्खनिपट्टा स्वीकृति प्रदान किये जाने से अवैध उत्खनन परिवहन की अंकुश लगाने के साथ ही शासन को प्राप्त होने वाली खनिज राजस्व में वृद्धि होगी। समिति द्वारा सशर्त सहमति प्रदान की गई है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 109 दिनांक 16/01/2023 परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ा जायेगा।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 69,255 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 15.83 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 05.56 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.एस. आर. मद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अगरिया ;ग्राम अगरियाद्ध में स्वास्थ्य संबंधी निम्नलिखित उपकरणों का वितरण किया जाएगा					
साल	संस्था का नाम	उपकरण सामग्री	कंपनी	संख्या	राशि
1	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अगरिया (ग्राम अगरिया)	ECG Machine With Report	Medonics	01	50,000
		Wheel Chair - 5 & Stretcher - 3	-	08	50,000
योग					1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	सागौन, नीम, खमेर, सिस्सू एवं करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	2400
2.	परिवहन मार्ग (पेडों की न्यूनतम ऊचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष)	नीम, शीशम (सिस्सू), करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातीय । ट्री-गार्ड के साथ।	200
3.	ग्राम वासियों में वितरण हेतु	आंवला, आम, मुनगा, कटहल, इमली, अमरुद, पपीता, नींबू, हर्रा, बहेडा, जामुन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1000
योग			3600

12. Case No 9842/2023 Shri Varun Kumar Gautam, Director, M/s Syna Steels Private Limited, R/o Yash Tower, Pathak Ward, Madanpura, Katni (MP)-483501, Prior Environment Clearance for Madanpura Murrum Deposit Mine in an area of 2.90 ha. (12,067 Cum per annum) (Khasra No. 173a, 176, 186, 187) Village- Madanpura, Tehsil-Murwara, District-Katni (MP)

This is case of Murrum Deposit Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 173a, 176, 186, 187) Village-Madanpura,, Tehsil-Murwara, District-Katni (MP) 2.90 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री वरुण कुमार गौतम ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्र, कियेटिव इंवारो केयर, भोपाल उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 2395 दिनांक 26/10/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार पश्चिम दिशा में 405 मीटर पर हाईवे, उत्तर-पश्चिम दिशा में 359 मीटर पर पेट्रोल पंप एवं आवसीय क्षेत्र है खदान क्षेत्र में से उत्तर दक्षिण दिशा में एवं पूर्व-पश्चिम दिशा में 02 कच्चे रोड़ निकल रहे हैं, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि आवंटित खदान निजि भूमि पर है। खदान के पास स्थित ईट भट्टे से ईट लेकर परिवहन किया जाता रहा है जो कि इस खदान के प्रारंभ होने के

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

पश्चात् ईट का परिवहन अन्य वैकल्पिक रास्ता बनाकर किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 09 पेड़ लगे हैं जिनमें से कोई भी पेड़ काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। वन मण्डलाधिकारी, वन मण्डल कटनी से प्रतिवेदन क्रमांक 4936 दिनांक 01/09/21 अनुसार आवेदित क्षेत्र नजदीकी वन कक्ष क्रमांक आर.एफ.— 77 से लगभग 105 मीटर की दूरी पर स्थित है। प्रकरण में संभागीय आयुक्त की समिति की बैठक दिनांक 02/03/2022 के द्वारा चेनलिंग फेंसिंग के प्रस्ताव के साथ अनुमति प्राप्त है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि मुरुम खदान होने के कारण खदान में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.—68 के सरल क्रमांक—36 पर दर्ज है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम — 12,067 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 09.08 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.95 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :—

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
Supply of one Warmar machine with AC (2Tone) at nearby PHSc at Madnapura	1.00

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2660 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष)	Karanj, Sitaphal, Pipal, Khamer, Neem, Sissoo, Jangle Jalbi, White Kastar and other local species	1460
2.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष)	Karanj, Pipal, Khamer, Neem, Sissoo, Jangle Jalbi, White Kastar and other local species	200
3.	गाँवों में वितरण (प्रथम वर्ष)	Mahua, Munga, Aam, Imli, Jam, Sitafal etc and other local species	1000
योग			2660

13. Case No 9843/2023 Smt. Binu Rajpoot, 371, Village-Mandawal, Tehsil-Tal, District-Ratlam (MP)-457114, Prior Environment Clearance for Napakheda Stone & M-Sand Quarry in an area of 2.00 ha. (Stone-2600 & M-Sand-2600 Cum per annum) (Khasra No. 2/1) Village-Napakgheda, Tehsil-Tal, District-Ratlam (MP) [423495]

This is case of Stone & M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2/1) Village-Napakgheda, Tehsil-Tal, District-Ratlam (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती बीनू राजपूत ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजरात) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 695 दिनांक 24/03/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 03.00 हे. है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है। खदान क्षेत्र खुदा हुआ दिख रहा है इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पहले यह खदान अस्थाई अनुज्ञा के अंतर्गत चली हुई एवं इस खदान की डिया से पर्यावरणीय स्वीकृति जारी हुई है, परियोजना प्रस्तावक को यह खदान इसी स्थिति में प्राप्त हुई है। प्रश्नाधीन खदान के पिट को माईनिंग प्लॉन में दर्शाया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस क्षेत्र से लगे हुये माईनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं किया गया है। प्रश्नाधीन खदान से होकर एक पुरानी खदानों का हॉलेज रोड है एवं खदान के पूर्व दिशा में 15 मीटर पर कच्चा रोड है इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 35 मीटर का सेट बेक छोड़ा गया है, जिसे प्रस्तुतीकरण में शामिल किया गया है, उत्तर दिशा में एक पक्का रोड 290 दूरी पर स्थित है एवं दक्षिण दिशा में 425 मीटर की दूरी पर आबादी है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम के पत्र क्रमांक 695 दिनांक 24/03/23 के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त उत्खनितपट्टा को अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 2600 मी³ प्रति वर्ष एवं एम. सैंड – 2600 मी³ प्रति वर्ष।

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.77 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.93 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम नापाखेड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक के परामर्श से आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी।	40,000
ग्राम नापाखेड़ा के सरपंच के परामर्श से उपलब्ध भूमि पर 1 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह बनाया जाएगा।	30,000
योग	70,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष) ट्री गार्ड के साथ	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:-नीम, कदम्ब, जंगल जलेबी, खमेर, सिस्सू, पीपल, करंज आदि।	200
2.	शासकीय प्राथमिक शाला नापाखेड़ा के परिसर में (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कदम्ब, खमेर, नीम, पीपल, सिस्सू, बबूल, जंगल जलेबी, करंज आदि।	50
3.	ग्राम नापाखेड़ा के नजदीक स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कचनार, कदम्ब, चिरोल, नीम, बरगद, पाखर., पीपल आदि।	50
4.	ग्राम नापाखेड़ा के ग्रामीणों में पौधों का वितरण (प्रथम वर्ष)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- मुनगा, आम, जामुन, सीताफल, कटहल, संतरा आदि।	2100
योग			2400

14. Case No 9845/2023 Shri Badri Lal, R/o Village Sindouda, District Indore (MP)-453115, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (30,253 Cum per annum) (Khasra No. 33/1/4/3/1) Village-Rawad, Tehsil-Depalpur, District-Indore (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 33/1/4/3/1) Village-Rawad, Tehsil-Depalpur, District-Indore (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री बद्री लाल ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अंकुर शर्मा, मेसर्स कोंग्नीजेस रिसर्च इंडिया प्रा.लि, नोएडा (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1650 दिनांक 29/08/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 04.642 हे. है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। खदान भूमि पर आवंटित है भूमि पर आवंटित है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण-पूर्व दिशा में 305 मीटर की दूरी पर आबादी, उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व दिशा में 402 मीटर पर एक पक्का रोड़ है एवं उत्तर पूर्व दिशा में 281 मीटर, 475 मीटर पर कुछ शेड है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 01 पेड़ लगा है जिसे काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के पत्र क्रमांक 1650 दिनांक 29/08/22 के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त खदान के अनुबंध/निष्पादन तथा पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात् डी.एस.आर. रिपोर्ट में सम्मिलित किया जावेगा।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 30,253 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 11.48 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.63 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
रावद प्राथमिक शाला में टॉयलेट निर्माण 02 (मोटर एवं पानी की व्यवस्था के साथ)	1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	वृक्षारोपण हेतु स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष) ट्री गार्ड के साथ	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, खमेर, सीताफल एवं अन्य प्रजातियाँ	1200
2.	परिवहन मार्ग (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष) ट्री गार्ड के साथ	नीम, करंज, खमेर एवं अन्य प्रजातियाँ	400
3.	गाँव में वितरण (प्रथम वर्ष)	आम, कटहल, मुनगा, सीताफल, निम्बू एवं अन्य प्रजातियाँ	800
योग			2400

15. Case No 9847/2023 Shri Vinod Lahoti R/o Lahoti Bhawan, Subhash road, Near Post Office, Ward No. 05, Raghogarh, District Guna (MP)- 473226, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.060 ha. (8,000 Cum per annum) (Khasra No. 750) Village-Morukhedi, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP) [416901].

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 750) Village-Morukhedi, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP) 1.060 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री विनोद लाहोटी ओर उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रहीस पटेल, मे०. एम.एम. सी.सी. एम., भोपाल उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 582 दिनांक 27/02/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 02.96 हे. है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है। खदान क्षेत्र खुदा हुआ है जिसमें पानी भरा हुआ है। खदान की उत्तर

दिशा से 100 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड है, उत्तर-पश्चिम दिशा में 328 मीटर पर आबादी है, दक्षिण-पश्चिम दिशा में 265 मीटर की दूरी पर आईसोलेटेड बिल्डिंग है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्व में यह खदान मेंसर्स तुलसी स्टोन के नाम से थी जिसकी ई.सी. डिया से पूर्व में 2018 को जारी हुई थी (DEIAA EC Letter no. 246 date 14/08/2018) वर्तमान में लीज श्री विनोद लाहोटी के नाम से अंतरण हो चुकी है।

अतः समिति ने चर्चा कर यह निर्णय लिया कि उपरोक्त संदर्भ में निम्न वांछित जानकारी प्रकरण पर आगामी कार्यवाही हेतु प्रस्तुत की जाये :-

- डिया से प्रदत्त पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में वांछित निर्धारित प्रपत्र फार्म-1 में जानकारी
- डिया से प्रदत्त पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन।
- अनुमोदित खनन योजना का क्लोजर प्लान ।
- पूर्व प्रदत्त पर्यावरणीय स्वीकृति में सी.ई.आर. योजना के अंतर्गत सामाजिक उत्थान के लिये कार्यों की प्रमाणिक जानकारी।

16. Case No 9844/2023 Smt. Jayshree Thakur, R/o Village Jhiri, Tehsil and District Burhanpur (MP)- 450331, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.32 ha. (10660 Cum per annum) (Khasra No. 607/1, 607/2) Village-Kharkod, Tehsil-Burhanpur, District-Burhanpur (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 607/1, 607/2) Village-Kharkod, Tehsil-Burhanpur, District-Burhanpur (MP) 1.630 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 04/05/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती जयश्री ठाकुर (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज मे0. अमलतास इंवारी इंडस्ट्रीयल कंसलटेंट एल.एल.पी. उपस्थित हुए । प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 562 दिनांक 23/12/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 08 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार जिसके दक्षिण-पूर्व दिशा में 195 मीटर की दूरी पर एक पक्का रोड है, पश्चिम दिशा में 21 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड है एवं खदान क्षेत्र में से उत्तर दिशा से एक कच्चा रोड निकल रहा है, उत्तर-पूर्व दिशा में 217 एवं 510 मीटर कुछ शेड है, उत्तर पूर्व दिशा में 227 एवं 444 मीटर की दूरी पर आबादी है । अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये । कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर ने पत्र क्रमांक 199 दिनांक 10/02/2023 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त उत्खनिपट्टा

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण (उत्खनिपट्टा संचालन) हो जाने के उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्वीकृत उत्खनिपट्टा शामिल किया जावेगा ।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. आवंटित खनन क्षेत्र के दक्षिण-पूर्व दिशा में 195 मीटर की दूरी पर एक पक्का रोड है, पश्चिम दिशा में 21 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड है एवं खदान क्षेत्र में से उत्तर दिशा से एक कच्चा रोड निकल रहा है, उत्तर-पूर्व दिशा में 217 एवं 510 मीटर कुछ शेड है, उत्तर पूर्व दिशा में 227 एवं 444 मीटर की दूरी पर आबादी है । अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।
2. प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 08 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी एकल प्रमाण-पत्र (खजिन शाखा) से प्राप्त हुई है, अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट में इनका क्यूमिलेटिव इम्पैक्ट असेसमेंट किया जाये ।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो प्रस्तुत की जाये ।

17. Case No 9096/2022 Shri Ankush Shivhare S/o Shri Omprakash Shivhare, House No. 2, Tansen Nagar, Dist. Gwalior, MP - 474003 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.0 ha. (8085 cum per annum) (Khasra No. 38/4, 38/8), Village - Dhuwai, Tehsil - Badarwas, Dist. Shivpuri (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 38/4, 38/8), Village - Dhuwai, Tehsil -

Badarwas, Dist. Shivpuri (MP) 1.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण समिति की पूर्व की 564वीं बैठक दिनांक 15/04/22 को प्रस्तुत हुआ था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. प्रस्तुत किये गये। प्रकरण के परीक्षण के दौरान पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खजिन शाखा) एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 109 दिनांक 18/01/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खदान स्वीकृत/संचालित है, जिसका कुल रकबा 5.0 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान स्थल के उत्तर दिशा में 360 मीटर एवं दक्षिण-पूर्वी दिशा में 50 मीटर पर प्राकृतिक नाला हैं तथा पश्चिम दिशा में 425 मीटर पर स्टॉप डेम है। कार्यालय कलेक्टर, (खजिन शाखा) एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 109 दिनांक 18/01/22 अनुसार खदान क्षेत्र से 15 मीटर की दूरी पर एक बरसाती नाला होने का उल्लेख किया गया है जो गूगल इमेज के अनुसार लगभग 50 मीटर पर है। प्रस्तुतीकरण के दौरान एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 109 दिनांक 18/01/22 के अनुसार खदान क्षेत्र से 15 मीटर की दूरी पर एक बरसाती नाला होने का उल्लेख किया गया है जो गूगल इमेज के अनुसार लगभग 50 मीटर पर है, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक वस्तुस्थिति स्पष्ट करें। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने यह भी पाया कि खदान क्षेत्र के पूर्वी भाग में कई खदान दिख रही हैं किंतु एकल प्रमाण पत्र में खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है। इस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इन खदानों की अवधि समाप्त हो गई है तथा वर्तमान में वे संचालित नहीं हैं। समिति ने खनिज अधिकारी से उपरोक्त संदर्भ में स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि कार्यालय कलेक्टर, (खजिन शाखा) एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 109 दिनांक 18/01/22 में यह उल्लेखित किया गया है कि आवेदक द्वारा अंतरण पूर्व धारा-165 (MPLRC) के अंतर्गत कोई अनुमति प्राप्त नहीं की गई है, इस कारण उत्खनिपट्टा दिये जाने पर सहरिया आदिवासी भूमिहीन हो जायेंगे।

समिति ने चर्चाउपरांत यह निर्णय लिया कि चूंकि संबंधित खनिज अधिकारी द्वारा जारी एकल प्रमाण पत्र में यह उल्लेखित किया गया है कि आवेदक द्वारा अंतरण पूर्व धारा-165 (MPLRC) के अंतर्गत कोई अनुमति प्राप्त नहीं की गई है, इस कारण उत्खनिपट्टा दिये जाने पर सहरिया आदिवासी भूमिहीन हो जायेंगे अतः यह प्रकरण सिया को प्रेषित किया जाये कि क्या इस स्थिति में इस प्रकरण पर पर्यावरणीय अभिस्वीकृति हेतु विचार किया जाना है अथवा नहीं। प्रकरण में यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि उक्त भूमि पर खनन से सहरिया आदिवासियों के श्रम के अतिरिक्त आर्थिक हित के क्या प्रावधाना है।

सिया की 733वीं बैठक दिनांक 21/06/22 को जिला कलेक्टर के स्पष्ट अभिमत प्राप्त न होने के कारण प्रकरण को डिलिस्ट किया गया था और सिया की 771वीं बैठक दिनांक 03/02/23 के द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर एडीएस दिनांक 05/01/23 के माध्यम से चाही गई जानकारी के संबंध में जिला खनिज अधिकारी, शिवपुरी का पत्र दिनांक 19/12/22 प्रस्तुत किया गया है, जिस मान्य करते हुए प्रकरण को रिलिस्ट कर सेक को पुनः परीक्षण हेतु अग्रेषित किया गया है ।

प्रकरण को आज दिनांक 04/05/23 को समिति के समक्ष रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक अंकुश शिवहरे (ऑन लाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंडिया प्रा.लि., नोयडा, (उ.प्र.) । समिति ने पाया कि जिला खनिज अधिकारी, शिवपुरी का पत्र दिनांक 19/12/22 में सूचित किया है कि:

- प्रकरण प्रकरण में (MPLRC) की धारा 165(2)(क) में उल्लेख है कि भूमि स्वामी द्वारा किसी भूमि का कोई भी बंधक इसके पश्चात् तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि कम सकम पाँच एकड़ भूमि या दस एकड़ अंशित भूमि किसी भी विल्लंगम या भार से मुक्त रूप से उसके पास न बच जायें ।
- (ख) खण्ड (क) के उपबंधनों के अध्ययन करते हुए, भूमि स्वामी द्वारा किसी भी भूमि का कोई भाग बंधक इसके पश्चात् विधिमान्य नहीं होगा यदि वह छः वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए हो और जब तक कि उस बंधक विलेश में वर्णित की गई कालावधि का अवसान हो जाने पर उस बंधक के संबंध में यह समझा जायेगा कि भूमि स्वामी द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भुगतान किये बिना ही उसका पूर्णतः मोचन हो गया है और बंधकदार उस बंधक भूमि का कब्जा भूमि स्वामी तुरंत वापिस दे देगा ।
- किंतु म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम-9 (ट) जहाँ भूमि आवेदक के स्वामित्व की नहीं है वहाँ इस आशय का एक शपथ-पत्र कि आवेदक ने भूमि के सतह अधिकार प्राप्त किए हैं या खनन/उत्खनन संक्रिया हेतु भूमि स्वामी/स्वामियों की सहमति प्राप्त कर ली है ।
- उपरोक्तानुसार भूमि स्वामियों द्वारा पट्टेदार श्री अंकुश शिवहरे के पक्ष में ग्राम धुवाई की भूमि सर्वे नं. 38/4, 38/8 रकबा 1.00 हे. क्षेत्र पर खनन किये जाने हेतु उत्खनिपट्टा के लिए सहमति दी गई है ना कि भूमि स्वामियों के द्वारा अपनी भूमि को विक्रय एवं बंधक हेतु दी गई है । दिनांक 30/06/22 को शपथ-पत्र प्रस्तुत कर भूमि स्वामियों द्वारा भूमिहीन नहीं होने एवं उत्खनिपट्टा हेतु दी गई सहमति के बदले प्रतिमाह किराया मिलने का उल्लेख किया गया है अतः उक्त प्रकरण में उपरोक्तानुसार जानकारी आवश्यक कार्यवाही प्रेषित है ।

समिति में प्रस्तुत शपथ-पत्र एवं कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा जिला शिवपुरी म.प्र. के पत्र क्रमांक 1719 दिनांक 19/12/22 पर चर्चा की गई । समिति ने यह पाया कि उपरोक्त पत्र के प्रथम एवं द्वितीय एवं तृतीय पैरा में एम.पी.एल.आर.सी. धारा-165(2) के प्रावधान का पालन नहीं हुआ है परंतु म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 नियम-9(ट) के अनुरूप कार्यवाही आवेदक द्वारा की गई है । अतः पर्यावरणीय स्वीकृति दिये जाने के पूर्व यह पुष्टि किया जाना उचित होगा कि प्रस्तुत शपथ-पत्र विधि अनुरूप है अथवा नहीं ।

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारीयों संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य पाई गई । अतः समिति विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार अनुशंसा करती है कि पर्यावरण स्वीकृति जारी करने के पूर्व उपरोक्त पैरा में दिये गये तथ्यों की पुष्टि की जाना उचित होगा :—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन — 8085 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 12.57 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 0309 प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :—

सी.ई.आर. मदद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
धुवाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में रंगाई पुताई एवं फर्नीचर (दस लकड़ी की बैंच और दस लकड़ी की कुर्सियाँ)	60,000
ग्राम धुवाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियाँ) को ट्री गार्ड के साथ लगाना ।	10,000
ग्राम धुवाई के शासकीय प्राथमिक शाला में 1 प्रिंटरए 1 टेबल एवं 1 कुर्सी उपलब्ध करवाया जाइएगा ।	50,000
योग	1,20,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

क्र.	वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	संख्या
1.	बैरियर जोन (प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष) ट्री गार्ड के साथ	आंवला, सिस्सू, नीम, पीपल, करंज, खमेर, चिरोल, सीताफल, कुम्भी, बीजा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	600
2.	परिवहन मार्ग (पेडो की न्यूनतम ऊंचाई 01 मीटर) (प्रथम वर्ष) पूर्ण सुरक्षा के साथ	कदम्ब, नीम, पीपल, कचनार, कुम्भी, आम, आंवला, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
3.	धुवई ग्रामवासियों मे वितरण हेतु (प्रथम वर्ष)	इमली, सीताफल, आंवला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	200
4.	ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र, पूर्ण सुरक्षा के साथ (प्रथम वर्ष)	कदम्ब, नीम, कचनार, अशोका, पुतरनजीवा, मौलश्री, कुम्भी, बीजा, शीशम, दहिमन, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	200

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

		योग	1200

- 18. प्रकरण क्रमांक 8959/2022 बृजनारायण शर्मा, बहेरिया, रूपनगर तसहील ईशगढ़ जिला अशोकनगर (म.प्र.) स्टोन क्वेरी, खसरा नं. 375, रकबा 1.905 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता स्टोन-23,636 मी.³, ग्राम लहदपुर तहसील ईशगढ़ जिला अशोकनगर के पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् ।**

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आललाईन प्राप्त यह प्रकरण पत्थर उत्खनन का है और प्रस्तावित स्थल खसरा नं. 375, रकबा 1.905 हेक्टेयर, ग्राम लहदपुर तहसील ईशगढ़ जिला अशोकनगर म.प्र. पर स्थित है।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 550वीं दिनांक 16/02/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

प्रकरण समिति की 632वीं बैठक दिनांक 21/03/23 को प्रस्तुत हुआ था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री बृजनारायण शर्मा, बहेरिया (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसर्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांस के आधार पर गूगल एमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है जिसके पश्चिम दिशा में 20 मीटर पर कच्चा रोड़ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इसके संरक्षण हेतु 30 मीटर का सेट बेक छोड़ा जायेगा। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा रोजगार, धूल मिट्टी न उड़े इसके लिये जल छिड़काव की व्यवस्था, वृक्षारोपण, सड़क की मरम्मत, आंगनवाडी में कार्य, मेडीकल केम्प इत्यादि बिन्दुओं पर सुझाव/आपत्तियां प्रस्तुत की गई जिसके संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इनको ई.एम. पी./सीईआर में समुचित बजट प्रावधान के साथ शामिल किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर लगातार जल छिड़काव किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त उत्खनिपट्टा में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त खदान को सम्मिलित कर ली जावेगी। चूकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांस के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 23,636 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 09.08 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 09.76 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

S N	Activities	Deliverable	Rate	Total cost (Rs.)
1	Distribution of Public Health Care Center - village Lahadpur Bp kit Suger checkup kit wheel chair, strachar.	5 - Bp kit 5 - Suger Kit 2 - wheel chair 4 - strachar.	Bp kit - 900 /-Rs Suger Kit- 900 /-Rs wheel chair- 6000 /-Rs Strachar- 4000 /-Rs	Bp kit - 4500 Rs Suger Kit- 4500 Rs wheel chair- 12000 Rs Strachar - 16000.00
2	Health checkup camp oral and dental	2+2 health camp	Rs 20,000/ camp	80,000 .00
	Total CER budget			1,00,000.00

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2290 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

पौधों की प्रजातियां	संख्या	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	टिप्पणी/ सुरक्षा योजना
चिरोल , नीम , जंगल जलेबी , सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	450	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	बारबेड वायर फेंसिंग से संरक्षण
सीताफल, आवलॉ, अमरुद, मुनगा, पपीता, निम्बू आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	1040	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	-
करंज, कदम , चिरोल, जंगल जलेबी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800	परिवहन मार्ग के दोनों तरफ (पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 1 मीटर)	फेब्रिकेटेड ट्री गार्ड(5फीट) से संरक्षण
योग	2290		

सिया के पत्र क्रमांक 229 दिनांक 21/04/23 के द्वारा "परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत टॉर की शर्तों में Cluster में सम्मिलित खदानों का Cumulative Effect एवं अनुसार Cluster Management Plan एवं कलस्टर में सम्मिलित अन्य खदानों द्वारा पर्यावरण स्वीकृति की शर्तों का अनुपालन किया गया है अथवा नहीं की जानकारी ईआईए रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं की गई है । अतः प्रकरण पुनः परीक्षण हेतु सेक को अग्रेषित किया गया ।"

प्रकरण समिति के समक्ष आज दिनांक 04/05/23 को रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री बृजनारायण शर्मा, बहेरिया (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसर्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए ।

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

पूर्व में ई.आई.ए. प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत किया गया था जो कि ऑन लाईन प्रस्तुत किया गया था जो कि सेक की बैठक 632 वीं बैठक दिनांक 21/03/23 में दिखाया गया है।

पुनः परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत टॉर की शर्तों में Cluster में सम्मिलित खदानों का Cumulative Effect एवं अनुसार Cluster Management Plan में उठाये गये बिन्दुओं पर चर्चा की गई। वर्तमान में खदान के आस-पास 02 खदान ही वर्तमान में संचालित है। शेष 08 खदानें प्रस्तावित हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यावरण सलाहकार द्वारा बताया गया कि इस क्षेत्र में जो 08 खदानें स्वीकृत हैं ई.आई.ए. स्टडी उनके द्वारा की जा रही है। उनके द्वारा निम्न Cumulative Effect एवं Cluster Management Plan को दिखाया गया है:-

Cumulative Traffic study for entire lease in cluster

Total capacity of mine	4,57,145cu.m/annum (for all mines in cluster)
No. of working days	300 days
Per day capacity of mine	1,523.8cu.m
Truck capacity	8 cu.m.
No. of trucks deployed/day	190 trucks
No. of trucks/hr	1 truck
PCU (190*3)	570

Existing Traffic Scenario & LOS

Road	V (PCU/day)	C	Existing V/C Ratio	LOS
Village road	114	2000	0.057	A
Gohana road	920	6000	0.153	A

Modified Traffic Scenario & LOS due to proposed project of all mines in cluster.

Road	V	C	Existing V/C Ratio	LOS
Village road	114+570=684	2000	0.34	B
Gohana road	920+570=1,490	6000	0.24	B

PP submitted Road from the above analysis it can be seen that the V/C ratio will change from 0.057 to 0.34 at **Village road** and from 0.153 to 0.24 at **Gohana road** respectively with LOS with LOS changing from “A” “Excellent” to “B” Very good”. So the additional load on the carrying capacity of the concerned roads is not

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

likely. So there is negligible impact on the road network as the proposed project is very small

NOISE QUALITY MONITORING RESULT (Hourly Leq. noise level in the study area)

TEST RESULT							
S.No	Location	Observed Value Leq dB(A)			Limit as per CPCB Guidelines Leq. dB(A)		Zone
		Day*	Night*	Day/Night	Day*	Night*	
1	NQ1 Project Site	55.6	43.4	51.0	75.0	70.0	Industrial
2	NQ2 Dhyanpur	51.0	40.6	50.6	55.0	45.0	Residential
3	NQ3 Bhiyan Khedi	50.4	40.4	50.9	55.0	45.0	Residential
4	NQ4 Khiraka Tanka	49.7	38.6	49.4	55.0	45.0	Residential
*Day Time			Leq(6.00AM TO 10.00 PM)				
*Night Time			Leq(10.00PM TO 6.00 AM)				

During daytime- 49.47 dB(A) & 55.6 dB(A). **During Night time-** 38.6 to 43.4 Leq dB(A). Results were found within permissible limits

Source	Expected Impact	Management Plan for all mines in cluster
Transportation	Increase of noise levels due to vehicular traffic	<ul style="list-style-type: none"> • Proper maintenance, oiling and greasing of machines at regular intervals will be done to reduce the generation of noise. • Adequate silencers will be provided in all the diesel engines. • Plantation along the sides of approach roads • Deploying PUC certified vehicles to reduce their noise emission
Mining operations	Increase in noise levels due to run of various mining Equipment, drilling & blasting	<ul style="list-style-type: none"> • Plantation along the sides of approach roads, around office building and mine area will be done to minimize the propagation of noise. • Periodical noise level monitoring will be done. • Before starting charging, clear audible warning signals by Sirens will be given so that people nearby can take shelter. • Periodical noise level monitoring will be done.

RESULTS OF BASELINE STUDY

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

Parameter	No. of Locations	Environmental Baseline Study
Ambient Air Quality Monitoring	5 locations	PM2.5- 26.54 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ –49.5 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ PM10- 59.74 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ (Jura) –93.20 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ SO ₂ - 4.42 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ to 13.6 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ NO ₂ - 6.89 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ to 16.54 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ Free Silica – 0.7 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ (Jura) – 0.89 $\mu\text{g}/\text{m}^3$
Noise level monitoring	4 locations	During daytime-49.7 to 55.6 Leq dB(A) During Night time- 38.6 to 43.4 dB Leq dB(A) Results were found within permissible limits
Water samples	Surface water – 2 locations	pH (7.48 to 7.65), Chloride (57.85 – 58.60 mg/l) DO (7.4 mg/l) etc. are found within permissible limits & fit for consumption.
	Ground water- 3 locations	All parameters like TDS (628 to 790 mg/l), pH (6.98 to 7.43), Chloride (142.71 to 176.12 mg/l), Fluoride (0.49 mg/l to 0.73 mg/l) etc. are found within permissible limits & fit for consumption.
Soil Samples	5 locations	pH- 6.85 – 7.94 Conductivity- 274.5 to 375.45 $\mu\text{mhos}/\text{cm}$

साथ ही Mitigation Measures, Traffic Study , की details Report Annex है। ई.आई.ए. में प्रस्तुत की गई रिपोर्ट के अवलोकन एवं Google Image से स्पष्ट है, कि खदान क्षेत्र में वृक्षारोपण नहीं दिख रहा है जिसका प्रभाव Cumulative Study में दिख रहा है विशेष रूप से PM 2.5 भी हायर साईड में है भविष्य में 08 खदानें आना संभावित है जिससे कि PM 2.5 व PM 10 दोनों में बढ़त संभावित है। अतः पर्यावरणीय प्रावधानों को सख्ती से पालन कराया जाना होगा।

समिति ने पाया कि सेक की 632वीं बैठक दिनांक 21/03/23 में उपरोक्त तथ्यों पर विचार कर ही समिति ने पर्यावरणीय अभिस्वीकृति द्वारा अनुशंसा की गई थी, अतः समिति द्वारा बैठक क्रमांक 632वीं बैठक दिनांक 21/03/23 में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को यथावत रखते हुए प्रकरण सिया को प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया।

19. मा. अध्यक्ष की अनुमति अन्य बिंदु पर चर्चा –

- प्रायः यह देखने में आ रहा है कि डिया से पूर्व में प्राप्त पर्यावरणीय स्वीकृति प्रकरणों को पुनः पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन स्वीकार सेक को परीक्षण हेतु प्रेषित किया जा रहा है। इस संबंध में भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ओएम क्रमांक आईए-3-22/11/2023-आईए-III (ई-208230) दिनांक 28/04/23 के अनुसार माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के आदेश दिनांक 13/09/2018 के विरुद्ध माननीय उच्चतम न्यायालय में केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने अपील दायर की है। अतः समिति का मत

है कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ओएम क्रमांक आईए-3-22/11/2023-आईए-III (ई-208230) दिनांक 28/04/23 के अनुक्रम में सिया, डिया के प्रकरणों के पर्यावरणीय स्वीकृत प्राप्त आवेदनों को स्वीकार करने संबंधी निर्णय पर सिया द्वारा पुनर्विचार किया जाये ।

- समिति का सुझाव है कि ऐसे खदान क्षेत्र जो कि कृषि भूमि से लगे हुए हैं और जहां पर कृषि कार्य किया जा रहा है ऐसे क्षेत्रों में 50 मीटर का सेटबैक छोड़ते हुए खनन कार्य किया जाये।
- प्रदेश की जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों में सेक समिति ने समय-समय अनुशंसा करके सिया को भेजा गया है समिति की अनुशंसा है कि ऐसी सभी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को सिया की वेबसाइट पर अपलोड किया जावे।

20. शुद्धि पत्र


Case No 9827/2023 Shri Vijay Singh, Prop., M/s Ramasthan Stone Crusher, M-195, Bharhut Nagar, Satna (MP)-485001, Prior Environment Clearance for Ramasthan Stone Quarry in an area of 2.961 ha. (15969 Cum per annum) (Khasra No. 1000/2/G, 1000/2/KH/3, 1000/2/KH/1, 1000/1/D/1, 1000/1/D/2, 1000/1/D/3) Village-Ramasthan, Tehsil-Raghurajnagar, District-Satna (MP)


परियोजना प्रस्तावक ने समिति को ई-मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र दिनांक 03/04/2023 द्वारा सूचित किया है कि उनका प्रकरण एसईएसी की 640वीं बैठक दिनांक 26/04/2023 को पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशंसा सहित एसईआईए को प्रेषित किया गया है, जिसमें स्टोन – 15,969 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम – 5,000 मी³ प्रति वर्ष, 91 पेड़ काटे जायेंगे तथा पश्चिम दिशा में 20 मीटर की दूरी पर एक मकान है, परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि मकान उन्हीं के परिवार के सदस्य श्री तेजभान सिंह का जिसमें वर्तमान में कोई निवासरत् नहीं है उक्त संबंध में शपथ-पत्र भी प्रस्तुतीकरण में दिखाया गया। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवेदित उत्खनिपट्टे के समीप खसरा नं. 979 के भाग मेरी निजी भूमि है, जिस पर खेती से संबंधित सामग्री एवं मशीन रखने के हिसाब से मेरा एक मकान बना हुआ है, जिसमें कोई निवास नहीं करता और उक्त मकान को उत्खनिपट्टाधारी को साइट आफिस के रूप में इस्तेमाल करने के लिए दे दिया है, जिसका उल्लेख कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 323 दिनांक 16/02/2023 में भी किया है उल्लेखित है जबकि अनुमोदित माइन प्लान अनुसार सिर्फ स्टोन – 15,969 मी³ प्रति वर्ष है, परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण में 51 पेड़ काटे जायेंगे तथा खदान के पश्चिम दिशा में 20 मीटर की दूरी पर मकान है, जो परियोजना प्रस्तावक के परिवार के सदस्य श्री तेजभान सिंह खसरा नं. 979 के भाग उनकी निजी भूमि पर है, जिस पर खेती से संबंधित सामग्री एवं मशीन रखने के हिसाब से बना हुआ है, जिसमें कोई निवास नहीं करता और उक्त मकान को उत्खनिपट्टाधारी को साइट आफिस के रूप में इस्तेमाल करने के लिए दे दिया गा है, इस संबंध में शपथ-पत्र प्रस्तुतीकरण के साथ दिया गया है उपरोक्तानुसार शुद्धि पत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

समिति ने प्रकरण का अवलोकन किया तथा पाया कि लिपिकीय त्रुटिवश टंकित हो गया है। अतः समिति ने अपनी पूर्व की 640वीं बैठक दिनांक 26/04/2023 में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशंसित

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 04 मई 2023

“स्टोन- 15,969 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम - 5,000 मी³ प्रति वर्ष, 91 पेड़ काटे जायेंगे तथा पश्चिम दिशा में 20 मीटर की दूरी पर एक मकान है, परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि मकान उन्ही के परिवार के सदस्य श्री तेजभान सिंह का जिसमें वर्तमान में कोई निवासरत् नहीं है उक्त संबंध में शपथ-पत्र भी प्रस्तुतीकरण में दिखाया गया। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवेदित उत्खनिपट्टे के समीप खसरा नं. 979 के भाग मेरी निजी भूमि है, जिस पर खेती से संबंधित सामग्री एवं मशीन रखने के हिसाब से मेरा एक मकान बना हुआ है, जिसमें कोई निवास नहीं करता और उक्त मकान को उत्खनिपट्टाधारी को साइट आफिस के रूप में इस्तेमाल करने के लिए दे दिया है, जिसका उल्लेख कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 323 दिनांक 16/02/2023 में भी किया है उल्लेखित है” के स्थान पर “स्टोन - 15,969 मी³ प्रति वर्ष, 51 पेड़ काटे जायेंगे तथा खदान के पश्चिम दिशा में 20 मीटर की दूरी पर मकान है, जो परियोजना प्रस्तावक के परिवार के सदस्य श्री तेजभान सिंह खसरा नं. 979 के भाग उनकी निजी भूमि है, जिस पर खेती से संबंधित सामग्री एवं मशीन रखने के हिसाब से बना हुआ है, जिसमें कोई निवास नहीं करता और उक्त मकान को उत्खनिपट्टाधारी को साइट आफिस के रूप में इस्तेमाल करने के लिए दे दिया गया है, शपथ-पत्र प्रस्तुतीकरण के साथ दिया गया है” पढ़े जाने की अनुशंसा करती है, शेष अन्य शर्तें/अनुशंसा पूर्ववत् यथावत् रहेंगी।


(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव


(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 04 मई 2023

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M. of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - j. Minable Potential of sand mine.
 - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - l. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khush Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'C'

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - p. Minable Potential of sand mine.
 - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- ‘D’

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna".
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The undertaking inter alia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 04 मई 2023

36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
- ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्टिचिंग जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ों के चारों ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ ऑगनवाडी/पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणों के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिंग/ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जायें ।
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधों के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

642वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 मई 2023

नोट – 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास प्रजातियाँ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घास प्रजातियाँ, खस घास अगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीट
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर